शाके ११४२

चैत्र शुक्ल पक्ष

25 मार्च से 8 अप्रैल 2020 तक

ऋतु वसन्त
सूर्य
उत्तरायण

तिथि	दिनांक	सूर्योदय	सूर्यास्त
प्रतिपदा	25.03.20	6.23	18.31
अष्टमी	01.04.20	6.15	18.34
पूर्णिमा	08.04.20	6.07	18.37

तिथि	वार	नक्षत्र	दिनांक	चन्द्र संचार	व्रत पर्व त्योहार
प्रतिपदा	बुध	रेवती	25.03.20	मीन	**नव वर्ष आरम्भ, नवरात्र आरम्भ** कलश स्थापन, पंचक, गौतम जयंती
द्वितीया	गुरू	रेवती	26.03.20	मेष 7.15	चन्द्र दर्शन, सिंधारा दूज, झूलेलाल ज., पंचक समाप्त 7.15 स.सि.योग 6.22 से 30.21 तक
तृतीया	शुक्र	अश्विनी	27.03.20	मेष	मत्स्य जयन्ती, गणगौरी तीज, सर्वार्थ सिद्धि योग 6.21 से 10.08 तक
चतुर्थी	शनि	भरणी	28.03.20	वृष 19.27	दमनक चतुर्थी, विनायक चतुर्थी
पंचमी	रवि	कृत्तिका	29.03.20	वृष	श्री पंचमी, हयव्रत, रोहिणी व्रत
षष्ठी	सोम	रोहिणी	30.03.20	वृष	स्कन्द–यमुना षष्ठी, सर्वार्थ सिद्धि 6.18 से एवं अमृत सिद्धि योग 17.17 से 30.16 तक
सप्तमी	मंगल	मृगशिरा	31.03.20	मि.6.00	नवपद ओली प्रारम्भ (जैन)
अष्टमी	बुध	आर्द्रा	01.04.20	मिथन	दुर्गाष्टमी, अशोकाष्टमी
नवमी	गुरू	पुनर्वसु	02.04.20	कर्क 13.28	श्रीरामनवमी, नवरात्र समाप्त, सवार्थ सिद्धि योग 6.14 से 30.13 तक एवं अमृत सिद्धि योग 19.27 से 30.13 तक
दशमी	शुक्र	पुष्य	03.04.20	कर्क	धर्मराज दशमी
एकादशी	शनि	आश्लेषा	04.04.20	सिंह 17.7	कामदा एकादशी व्रत (सबका)
द्वादशी	रवि	मघा	05.04.20	सिंह	प्रदोष व्रत, हरि दमनोत्सव
त्रयोदशी	सोम	पूर्वा फा.	06.04.20	क.17.30	अनंग त्रयोदशी, महावीर जयंती (जैन)
चतुर्दशी	मंगल	उत्तरा फा.	07.04.20	कन्या	सत्यनारायण व्रत, शिव दमनक
पूर्णिमा	बुध	चित्रा	08.04.20	तुला 16.34	चैत्री पूर्णिमा, हनुमान जयंती, वैसाख स्नान आरम्भ, ओली समाप्त (जैन)

नव संवत्सर में बुधवार 25 मार्च 2020 को नवरात्र कलश स्थापन, संवत्सर का पूजन, ध्वजारोहण आदि अनेक शुभ कार्य होगें। • **संवत्सर पूजन :** चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को प्रातःकृत्य समाप्त कर पूजन का संकल्प करें और ब्रह्मा आदि देवताओं तथा पंचांग का पूजन करें और प्रभु से प्रार्थना करें– 'हे भगवान, आपकी कृपया से हमारा यह वर्ष मंगलदायक हो और इस संवत्सर में आने वाले सम्पूर्ण अनिष्ट समाप्त हो जाऐं। इसके पश्चात् संवत्सर के राजा आदि का फल श्रवण करें। • संवत्सर के दिन नीम की कोमल पत्ती का चूर्ण, नमक, काली मिर्च, जीरा, गुड़ और हींग मिलाकर खाना चाहिए। ऐसा करने से शरीर निरोगी होता है और राजा, प्रजा तथा देश में शान्ति रहती है।